

# CSIR in Media



A Daily News Bulletin  
22<sup>nd</sup> December 2016

CSIR

22<sup>nd</sup> December 2016

## यंग साइंटिस्ट कॉन्क्लेव का उद्घाटन



■ वि, नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने आईआईएसएफ-सीएसआईआर 2016 में 'यंग साइंटिस्ट्स' कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण योगदानों की चर्चा करते हुए उनकी प्रशंसा की। गृह मंत्री ने वैज्ञानिकों के समक्ष 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का नारा दिया।

**Published in:**

**Navbharat Times, New Delhi, Page 11**

Lab Covered: CSIR-NPL

22<sup>nd</sup> December 2016

13/12/16 Date: 22/12/16 48 रकिया/ Page No. 4

# हवा में जहर की जांच करने एनपीएल तय करेगा मानक

**रायपुर। ब्यूरो**

मापक यंत्र केलीब्रेटेड नहीं होंगे, माप का कोई निर्धारित पैमाना नहीं होगा और हवा में जिस जहर की जांच की जानी है उसका सैंपल नहीं होगा तो वायु प्रदूषण की सीमा तय नहीं की जा सकती। विभिन्न एजेंसियां शहरों को प्रदूषित तो बताती हैं पर आंकड़े कहां से लिए और उसका आधार क्या है यह नहीं बताया जाता। अगर हवा में एसओटू है तो हमारे पास सैंपल एसओटू होना चाहिए जिससे तुलना कर बताया जा सके कि खतरा कितना है। सैंपल शुद्ध हो इसकी गारंटी अब सीएसआईआर-नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी (एनपीएल) लेगा। अगर कहीं प्रदूषण है तो उसकी तुलना साफ पर्यावास से करना भी जरूरी है। उसी मानक के आधार पर तय होगा कि किसी जगह में हवा कितनी प्रदूषित है। एनपीएल हिमाचल के पालमपुर को सबसे प्रदूषण रहित शहर मानकर उसके पैमाने पर दूसरे शहरों की स्थिति का आकलन करेगा। यह तथ्य बुधवार को नया रायपुर के पर्यावास भवन में आयोजित कार्यशाला में पर्यावरण वैज्ञानिकों के वक्तव्य से निकलकर सामने आए। कार्यशाला का आयोजन रायपुर शहर में वायु गुणवत्ता की मॉनिटरिंग और इसके लिए प्रयोग में लाए जाने वाले उपकरणों की गुणवत्ता परीक्षण के लिए किया गया था। इसमें नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी के डायरेक्टर डॉ.डीके असवाल, राज्य सरकार के आवास एवं पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव अमन सिंह, एनपीएल के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. आरके कोटनाला, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एसजी अग्रवाल, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव संजय शुक्ला, सदस्य सचिव देवेन्द्र सिंह सहित पर्यावरण से जुड़े विशेषज्ञ, विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर आदि शामिल हुए। एनपीएल के डायरेक्टर असवाल ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से मेजरमेंट के इतिहास से लेकर एसआई यूनिट तक पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद 1947 में जवाहर लाल नेहरू ने अंतरराष्ट्रीय मानक संस्था बीआईपीएम का सदस्य बनाया और 1956 में संसद में कानून पास कर नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी की स्थापना की। अब इसमें 225 देश हैं पर भारत सहित कुल 57 देश की इसके संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे मीटर का माप हर जगह समान होता है, या पानी का घनत्व 4 डिग्री पर सबसे ज्यादा होता है तो उस तापमान पर 10 क्यूबिक मीटर एरिया में जितना पानी होगा उसे एक किलो माना गया है। यह ऐसे माप हैं जो पूरी दुनिया में माने जाते हैं। नेशनल लेबोरेटरी भारत में और बीआईपीएम दुनिया में किसी मेजरमेंट को तय करने की एजेंसी है।

**मानक तय हों तो आएंगे सही नतीजे : अमन सिंह**

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अध्यक्ष अमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ को प्रदूषण से मुक्त करने का काम तेजी से चल रहा है। तीन साल का प्रोजेक्ट एनपीएल से मिलकर बनाया है पर इसके नतीजे अगले छह महीने में ही दिखने लगेंगे। उपकरणों का केलिब्रेशन बहुत जरूरी है। मानक तय हों तो सही नतीजे पता चलें। रायपुर में ही कहीं 9 डिग्री तो कहीं 12 डिग्री तापमान बताया जा रहा। ऐसा इसलिए है कि उपकरण सही नहीं हैं। हमने उद्योगों को सख्त निर्देश दिए हैं। जल्द रायपुर प्रदूषण से मुक्त होगा।

**Published in:**

**Nai Dunia, Delhi, Page 4**

## ‘Maintain balance between environment and human life’

*Lab Covered: CSIR-CCMB*

*19<sup>th</sup> December 2016*



Speakers unveil the abstracts published for the three-day global conference on ‘Environmental Conservation and Human Health - Challenges and Strategies’, in Tirupati on Wednesday.

Photo Credit: K\_V\_POORNACHANDRA\_KUMAR

The influence of environmental factors on human health emerged as the central theme of discussions at the inaugural session of the three-day ‘International conference on environmental conservation and human health - Challenges and Strategies,’ organised by Sri Venkateswara University’s (SVU) Department of Zoology, here on Wednesday.

SVU Vice Chancellor A. Damodaram, who inaugurated the event, emphasised on the need for maintaining the balance of the natural cycle that exists between the environment and lives of human beings. “Life depends on the quality of the environment surrounding us. Of late, environment-related hazards have been on the rise and are creating severe health issues among the people. More emphasis should be laid on plantations, recycling methods and sustainable development linked with environmental protection and conservation,” he said.

Rakesh K. Mishra, Director, Centre for Cellular and Molecular Biology (CCMB) – Hyderabad, elucidated on ‘Genomics and future medical implications’. He also spoke on other topics such as personalised medicine and pharmacogenomics. “The latter is one of the most exciting areas in personalised medicine. It uses genetic information such as DNA sequence, gene expression, and copy number, for explaining inter-individual differences in drug metabolism (pharmacokinetics) and physiological drug response (pharmacodynamics), thereby identifying responders and non-responders to a drug and predicting the efficacy or toxicity of a drug,” he added.

---

## Drug discovery and development

Dr. Mishra also said that these advances had opened up new possibilities in drug discovery and development, allowing more tailored treatment of health problems, including cardiovascular disease, cancer, and HIV/AIDS.

SVU Registrar M. Devarajulu, Rector M. Bhaskar, former SVU VCs Rallapalli Ramamurthi and W. Rajendra, Tiruvallor University VC K. Murugan, former VC of Vikramasimhapuri University G. Rajarami Reddy, professors from the U.S. Urmila Kodavanti and Jagadeeswaran, programme convener P. Sreenivasula Reddy, organising secretaries M. Srinivasulu Reddy and Y. Suneetha took part.

---

### **Published in:**

**The Hindu**

**Source: [bit.ly/2iieRDr](https://bit.ly/2iieRDr)**

## Governor to present hindi awards today

---

*Lab Covered: CSIR-IICT*

*22<sup>nd</sup> December 2016*

Governor ESL Narasimhan will felicitate awards to central government employees, official languages offices, banks and public sector undertakings in different categories for their contributions in Hindi on Wednesday.

The governor will present the awards in the conference to be held in Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), at Indian Institute of Chemical Technology (IICT).

The department of official languages in the Union home ministry will organise this conference. Similar conferences for promoting Hindi were held in Agra and Gangtok earlier.

---

### Published in:

**Times Of India**

**Source:[bit.ly/2hfopTO](http://bit.ly/2hfopTO)**